RNI Tiltle Code : RAJBIL27060

फतेह एक्सप्रेस

राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष 01 | अंक : 01 (प्रवेशांक) | अजमेर, 25 दिसम्बर, 2023 | मूल्य ₹ 4 | पृष्ठ-4

सम्पादकीय

भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के तमाम दावों के बावजूद महंगाई पर नियंत्रण बनी चुनौती

भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के तमाम दावों के बावजूद महंगाई पर नियंत्रण चुनौती बनी हुई है। महंगाई के मोर्चे पर मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं और धरातल पर नतीजे नहीं दिख रहे। चावल, गेहूं आटा, दालें, प्याज, हल्दी, लहसुन, मिश्रित मसाले जैसी जरूरी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में बढ़कर 7.37 फीसद हो गई है। ग्रामीण श्रमिकों के लिए यह 7.13 फीसद रही। हालांकि, अक्तूबर में खुदरा मुद्रास्फीति थोड़ी कम थी ङ्क कृषि श्रमिकों की 7.08 फीसद और ग्रामीण श्रमिकों की 6.92 फीसद। श्रम मंत्रालय के ताजा आंकड़ों से स्पष्ट है कि निम्न मध्यवर्ग और गरीबों की परेशानी बढ़ी है। वस्तुओं की खुदरा कीमतें इस स्तर पर पहुंचने के बाद एक बड़ी आबादी खाने-पीने में कटौती करने को मजबूर हो जाती है। ठंड की शुरुआत के बाद बाजार में कीमतों में कमी आती है, लेकिन ताजा आंकड़े इसके अनुकूल नहीं दिख रहे। मौजूदा स्थिति अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर डालेगी, क्योंकि जब खाने-पीने के सामान की कीमतें लोगों की पहुंच से दूर होने लगती हैं, तो इसका सीधा असर उनके बाकी खर्चों पर पड़ता है। आमतौर पर जब थोक बाजार में कीमतें बढ़ती हैं तो खुदरा बाजार में इसकी तुलना में काफी अधिक कीमतें बढ़ जाती हैं। इससे आम उपभोक्ता की जेब पर असर पड़ता है। लेकिन चावल, गेहूं आटा, दालें, प्याज, हल्दी, लहसुन, मिश्रित मसालों के मामले में हकीकत कुछ और है। इन वस्तुओं के आयात और निर्यात में असंतुलन बड़ा कारण है। मसलन, कई साल से दालों का उत्पादन जरूरत से ज्यादा हो रहा है, पर दूसरे देशों से करार के मुताबिक दालों का आयात किया जा रहा है। नतीजा यह कि किसान स्थानीय बाजारों में न्यूनतम समर्थन मूल्य से भी कम दर पर दालें बेचने को विवश हो रहे हैं। दूसरी ओर, आयातित दालें थोक बाजार की मार्फत बिक रही हैं, जिनकी कीमत अधिक होती है। इसी तरह की स्थिति गेहूं, आटा, मसालों आदि के मामले में है। अफसोस कि महंगाई नियंत्रित करने के लिए तैयार किया गया समकालीन ढांचा महंगाई को केवल आपूर्ति पक्ष से जोड़कर देख रहा है। महंगाई के मामले में राहत के उपाय खोज रहे नीति नियंताओं को यह समझना होगा। खासकर उस स्थिति में, जब वे एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को महामारी से उपजी मंदी के बाद टिकाऊ तरीके से उबारने की पुरजोर कोशिश में जुटे हैं। इन हालात में उपभोक्ताओं के कंधों पर असंगत तरीके से महंगाई का बोझ पड़ना ठीक नहीं है। आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, मनोरंजन और व्यक्तिगत देखभाल सहित सेवा श्रेणी की कीमतों में भी ₹ मिक वृद्धि देखी गई है, क्योंकि मांग में धीरे-धीरे सुधार हुआ है। सेवा प्रदाताओं के सामने संभलकर आगे बढ़ने की चुनौती है। ऐसे में कीमतों का गणित समझने से पहले नीति नियंताओं को खाद्यान्न उत्पादन, खपत और सरकारी खरीद का हिसाब-किताब समझना होगा। आम आदमी की जेब में बचत के कुछ न कुछ पैसे तो जरूर होने चाहिए।

कांग्रेस में पायलट को मिला अहम रोल, प्रियंका ने छोड़ा यूपी का जिम्मा! सवा साल बाद खरगे ने बनाई अपनी टीम

नई दिल्ली. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संगठन की कमान संभालने के सवा साल बाद अहम संगठनात्मक बदलाव करते हुए 2024 की अपनी चुनावी टीम गठित कर दी है। इसमें सबसे अहम बदलाव यह है कि प्रियंका गांधी वाड्रा अब उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी नहीं संभालेंगी। खरगे की 12 महासचिवों की नई चुनावी टीम में पायलट और दीपादास मुंशी समेत चार नए चेहरों को शामिल किया गया है।

कांग्रेस में संगठनात्मक बदलाव

बिहार के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर, भक्तचरण दास, रजनी पाटिल और हरीश चौधरी जैसे नेताओं की संगठन से छुट्टी कर दी गई है। हिंदी पट्टी के तीन अहम राज्यों में ताजा पराजय के बाद के आम चुनाव के लिए बढ़ी चुनौतियों को देखते हुए कांग्रेस हाईकमान ने पिछले दो हफ्तों से सियासी फैसले की गति बढ़ा दी है। इस लिहाज से शनिवार को पार्टी का लंबे अर्से से अपेक्षित संगठनात्मक बदलाव सबसे अहम फैसला है।

कांग्रेस अध्यक्ष बनने के सवा साल बाद खरगे ने बनाई अपनी टीम

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संगठन की कमान संभालने के सवा साल बाद अहम संगठनात्मक बदलाव करते हुए 2024 की अपनी चुनावी टीम गठित कर दी है। इसमें सबसे अहम बदलाव यह है कि प्रियंका गांधी वाड्रा अब उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी नहीं संभालेंगी और बिना किसी दायित्व के पार्टी महासचिव बनी रहेंगी। अविनाश पांडेय उनकी जगह यूपी के नए प्रभारी महासचिव बनाए गए हैं।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को अहमियत देते हुए पहली बार महासचिव बनाकर छत्तीसगढ़ का जिम्मा सौंपा गया है। खरगे की 12 महासचिवों की नई चुनावी टीम में पायलट और दीपादास मुंशी समेत चार नए चेहरों को शामिल किया गया है। महाराष्ट्र के युवा नेता मिलिंद देवड़ा को पार्टी का संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाते हुए केंद्रीय राजनीति में फिर से वापस लाया गया है।

खरगे की नई चुनावी टीम

मल्लिकार्जुन खरगे ने अक्टूबर 2022 में कांग्रेस अध्यक्ष पद की कमान संभाली थी। तब से कार्यसमिति के गठन के अलावा कोई बड़ा फेरबदल नहीं हुआ था। वैसे खरगे की नई चुनावी टीम में बहुत व्यापक बदलाव नहीं हुआ, लेकिन यह जरूर है कि पायलट, दीपा दासमुंशी, देवड़ा, गुलाम अहम मीर, रमेश चेन्निथला, भरत सोलंकी जैसे चेहरों को संगठन में शामिल कर कुछ नयापन देने की कोशिश जरूर हुई है।

प्रियंका गांधी वाड्रा का उत्तर प्रदेश की कमान छोड़ना इस बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद से ही प्रियंका ने सूबे में अपनी सरि यता को विराम दे दिया था। कुछ अर्से से संकेत दिए जा रहे थे कि उनकी जगह नया प्रभारी नियुक्त होगा और महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता अविनाश पांडेय अब यह जिम्मा संभालेंगे। प्रियंका बिना किसी जिम्मेदारी के महासचिव बनी रहेंगी।

सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी

सचिन पायलट के महासचिव बनने से साफ हो गया है कि फिलहाल राजस्थान के बजाय केंद्रीय राजनीति में हाईकमान उनकी ज्यादा भूमिका देख रहा है। पार्टी के सबसे वरिष्ठ महासचिव मुकुल वासनिक को गुजरात का प्रभारी और जितेंद्र सिंह को असम के साथ मध्य प्रदेश का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। रणदीप सुरजेवाला अब केवल कर्नाटक की जिम्मेदारी संभालेंगे। कुमारी सैलजा अब छत्तीसगढ़ की जगह उत्तराखंड की प्रभारी महासचिव होंगी।

भाजपा कार्यालय को मंदिर मानकर सीढ़ी पर लगाई धोक , भावुक हो गए

अजमेर. विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि प्रदेश की विधानसभा का गौरवमयी इतिहास रहा है। यहां पक्ष व विपक्ष के विधायकों के बीच सहमति व सर्वसम्मति से समन्वय रखने का प्रयास करेंगे। सदन की पारंपरिक गरिमा के साथ नियमों व मर्यादा का पालना कराते हुए जनता की समस्याओं के समाधान का सार्थक प्रयास करेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष बनने के बाद गुरुवार को पहली बार अजमेर आगमन पर भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने पीएम नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रभारी अरुण सिंह व प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व में उनसे जो अपेक्षा की उन पर खरा उतरने का प्रयास करुंगा। पीएम मोदी की भारत को विश्व गुरु की परिकल्पना को साकार करते हुए प्रदेश के सर्वांगीण विकास का प्रयास करेंगे।

देवनानी कई बार इतने भावुक हुए कि उनका गला रुंध गया व आंखें छलक गईं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने एक छोटे से कार्यकर्ता जो कॉलेज में शिक्षण का कार्य करते थे, को आज इतना बड़ा दायित्व दिया है। उन्होंने पार्टी कार्यालय की सीढ़ी पर धोक लगाने के बाद कार्यालय में प्रवेश किया। यह उन्होंने कहा भाजपा कार्यालय नहीं पार्टी का मंदिर है।

स्थानीय समस्याओं का निदान प्राथमिकता

एक सवाल के जवाब में देवनानी ने शहर में पेयजल समस्या, साइंस पार्क, पर्यटन स्थल, उद्योग स्थापित करने, रोजगार,पेपरलीक जैसी घटनाओं की जांच करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने स्मार्ट सिटी के दौरान हुई अनियमितताओं की जांच व एलिवेटेड रोड की कमियां सुधारने आदि की समीक्षा करने की बात कही। इससे पहले उनका यहां भुणाबाय पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया।

अध्यक्ष समेत कुश्ती संघ सस्पेंड, 3 दिन पहले बृजभूषण के करीबी संजय चुनाव जीते थे

नई दिल्ली. पिछले 11 महीनों से विवादों में घिरी रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की नई बॉडी को खेल मंत्रालय ने रविवार को सस्पेंड कर दिया। 3 दिन पहले 21 दिसंबर को हुए चुनाव में भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह ङ्कपरिवारङ्क के प्रेसिडेंट बने थे। इसके विरोध में ओलिंपिक मेडलिस्ट साक्षी ने कुश्ती से संन्यास ले लिया था। बजरंग पुनिया ने पद्मश्री लौटा दिया था।

WFI के चुनाव में संजय सिंह के अध्यक्ष चुने जाने से बृजभूषण के खिलाफ धरना देने वाले रेसलर नाखुश थे। दिल्ली में गुरुवार शाम को रेसलर बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान साक्षी मलिक भावुक हो गईं और कुश्ती छोड़ने का ऐलान कर दिया। उन्होंने अपने जूते उतारकर टेबल पर रख दिए और वहां से उठकर चली गईं।

हाल ही में WFI ने जूनियर नेशनल चैंपियनशिप की घोषणा की थी, जिसमें ये टूर्नामेंट 28 दिसंबर से यूपी के गोंडा में शुरू होना था। इसको लेकर रेसलिंग छोड़ चुकीं साक्षी मलिक ने सवाल उठाए थे।

उन्होंने कहा, 'मैंने कुश्ती छोड़ दी है पर कल रात से परेशान हूं, वे जूनियर महिला पहलवान क्या करें जो मुझे फोन करके बता रही हैं कि दीदी इस 28 तारीख से जूनियर नेशनल होने हैं और वो नई कुश्ती फेडरेशन ने नन्दनी नगर गोंडा में करवाने का फैसला लिया है। इसके बाद स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री ने भारतीय कुश्ती महासंघ की नवनिर्वाचित संस्था को सस्पेंड कर दिया है।

सभी पाठकों में विज्ञापनदाताओं को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

एक बार फिर कोरोना

कोरोना का नया सब- वेरिएंट आया सामने, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सतर्क

एक बार फिर कोरोना विषाणु के पांव पसारने की आशंका गहराने लगी है। पिछले कुछ दिनों में कोरोना के मामलों में एकदम से उछाल दर्ज हुआ। एक दिन में एक सौ चालीस से अधिक मामले पाए गए। फिर कोरोना के नए बहुरूप जेएन.1 से संक्रमित एक व्यक्ति की केरल में पहचान हो गई। उसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सतर्क हो गया है।

मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिख कर इससे सावधान रहने को कहा है। तमिलनाडु और केरल सरकार ने लोगों को कोरोनोचित एहतियाती उपाय बरतने का निर्देश जारी कर दिया है। दरअसल, कोरोना की दो बड़ी लहरों ने देश में जितने बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान पहुंचाया, उसके अनुभवों से अब सरकार किसी भी तरह का जोखिम लेने को तैयार नहीं है। यह अच्छी बात है कि शुरुआती मामला सामने आने के तुरंत बाद सरकारें सतर्क हो गई हैं और लोगों को भी जागरूक रहने को प्रेरित कर रही हैं। कोरोना के शुरुआती मामले केरल से ही फैले थे, जो देश भर में तबाही का कारण बने। हालांकि अभी उसके नए बहुरूप के प्रभाव इतने खतरनाक नहीं हैं कि उसे लेकर बहुत घबराने की जरूरत है, मगर मामूली लापरवाही भी महामारी का रूप ले सकती है।

बड़ी मुश्किल से कोरोना के फैलाव पर काबू पाया जा सका था। देश भर में टीकाकरण और सख्त नियमों के जरिए लोगों को सुरक्षित किया जा सका। मगर चिकित्सा विज्ञानियों का कहना था कि कोरोना विषाणु सदा के लिए समाप्त नहीं हो सकता। यह रूप बदल-बदल कर हमारे बीच में ही उपस्थित रहेगा और हमें अब इसके साथ ही जीने की आदत डालनी होगी। यानी महामारी की छाया बनी हुई है।

दरअसल, कोई भी विषाणु पूरी तरह समाप्त नहीं होता, वातावरण, मौसम आदि के मुताबिक अपना रूप बदल लिया करता है। उससे पार पाने के लिए प्रतिरोधक क्षमता विकसित करनी पड़ती है। पहले भी प्रतिरोधक टीकों के जरिए ही अनेक महामारी फैलाने वाले विषाणुओं पर काबू पाने में कामयाबी पाई जा सकी है। कोरोना के टीकों का भी निस्संदेह प्रभाव देखा गया। मगर इन टीकों से शरीर में पैदा होने वाली प्रतिरोधक क्षमता स्थायी नहीं बताई जाती है। फिर, इनका बार-बार उपयोग भी सुरक्षित नहीं माना जाता। ऐसे में लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे खुद नाक-मुंह ढंकने, हाथ धोने जैसे एहतियाती उपाय अपना कर और अपनी दिनचर्या, खानपान की आदतों आदि में बदलाव करके सुरक्षित रहने का प्रयास करें। मगर भारत जैसे देश में, जहां बहुत सारे इलाकों में भीड़भाड़ अधिक रहती है, लोगों में साफ-सफाई को लेकर जागरूकता कम है, खांसी-जुकाम जैसी शिकायतों में प्रायः अनदेखी और देसी उपचार पर अधिक भरोसा देखा जाता है, वहां किसी भी तरह की लापरवाही कोरोना जैसे विषाणु को पांव पसारने का मौका देती है। इसलिए केंद्र और राज्य सरकारों की चिंता वाजिब है।

हालांकि अब भी बहुत सारी राज्य सरकारें इसे लेकर गंभीर नजर नहीं आतीं। हमारे यहां स्वास्थ्य सेवाओं का आलम यह है कि जांच आदि की माकूल व्यवस्था न होने से बहुत सारे रोगों की समय पर पहचान नहीं हो पाती। बहुत सारे लोगों ने मान लिया है कि कोरोना का संकट अब सदा के लिए टल गया है। इसलिए इससे संबंधी जांचें कराने की जरूरत नहीं समझी जाती। ऐसे में सरकारों को खुद भी सतर्क रहना और लोगों में इसके प्रति निरंतर जागरूकता पैदा करते रहना आवश्यक है।

विश्वसनीयता में भी सबसे आगे हैं पीएम नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विरोधियों द्वारा लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये जाते रहे हो पर इसमें कोई दो राय नहीं कि आज की तारीख में लोकप्रियता में दुनिया के दिग्गज नेताओं में शीर्ष पर कोई नेता है तो वह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन या रुस के पुतिन हो या अमेरिका के ही पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के आसपास भी नहीं टिकते है। अमेरिका की कंसल्टेंसी फर्म मार्निंग कंसल्ट द्वारा इसी माह की शुरुआत में करवाये गए सर्वे में यह साफ हो गया है कि सर्वे में हिस्सा ले रहे दुनिया के देशों के लोगों में 76 फीसदी लोगों की पंहली पसंद नरेन्द्र मोदी रहे हैं। लोकप्रियता में नकारने वाले भी केवल 18 फीसदी ही है जबकि 6 फीसदी ने अपनी कोई राय उजागर नहीं की है। इससे पहले अमेरिकी थिंक टेंक प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश के 10 में से 8 व्यक्ति नरेन्द्र मोदी के प्रति सकारात्मक राय रखते हैं। यानी कि देश के 80 फीसदी लोग नरेन्द्र मोदी में विश्वास रखते हैं। 55 फीसदी लोगों की पहली पंसद नरेन्द मोदी है। देश की केवल 20 फीसदी आबादी नरेन्द्र मोदी को पसंद नहीं करती है। लोकप्रियता की सूची में मजे की बात यह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इस लोकप्रियता की श्रेणी में 8 वें पायदान पर हैं।

दरअसल विश्वव्यापी लोकप्रियता अर्जित करना कोई सामान्य बात नहीं होती है। हमारे देश के लिए तो यह और भी गर्व की बात हो जाती है कि हमारे नेता की लोकप्रियता दुनिया में पहले पायदान पर है। मजे की बरत यह है कि लोकप्रियता के साथ ही विश्वसनीयता में भी सबसे आगे हैं। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि लोकप्रियता में अव्वल आना इस मायने में बड़ी बात हो जाती है कि 76 फीसदी को मतलब साफ है कि यह लोकप्रियता का कोई मामूली आंकड़ा नहीं है अपितु लोकप्रियता के दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिकों के राष्ट्रपति एन्ड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर से पूरे दस प्रतिशत अधिक है। यानी कि नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का आंकड़ा 76 फीसदी है तो दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिको के राष्ट्रपति की लोकप्रियता का आंकड़ा 66 फीसदी यानी कि दस फीसदी कम है। सूची के अनुसार तीसरे पायदान पर स्विट्जरलैंड, चौथे पर ब्राजील, पांचवें पर आस्ट्रेलिया और छटे पायदान पर इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी रही हैं। मेलोनी जिसको लेकर पिछले दिनों सोशियल मीडिया पर एक से एक मीम्स चलाये जा रहे थे उनके और नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में पूरे 35 फीसदी का अंतर है।

देखा जाये तो नरेन्द्र मोदी का एग्रेसिव रवैया ही उनकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। कठोर से कठोर और कड़े से कड़े निर्णय भी एक झटके में लेने की क्षमता और मोव को अपने पक्ष में करने क्षमता ही नरेन्द्र मोदी का लोकप्रियता के शिखर पर पंहुचाती है। वैश्विक सम्मेलनों और मंचों पर ऐसा लगता है जैसे दुनिया के देशों का नेतृत्व नरेन्द्र मोदी ही कर रहे हो। बॉडी लैंग्वेज ही ऐसी कि लगता यही है कि जैसे आज की तारीख में विश्व के नेताओं के कोई लीडर दिखाई देते है तो वह नरेन्द्र मोदी ही लगते हैं। भले ही इतर राय रखने वाले कुछ भी कहे या कुछ भी मनोभाव रखे पर अभी तो जो कुछ दिख रहा है वह साफ है और नरेन्द्र मोदी की सर्वमान्य नेता के रुप में भी प्रतिस्थापित करता है। अब मोदी विरोधी इसका कारण मोदी की एग्रेसिव मार्केटिंग, मीडिया मैनेजमेंट, तथ्यों के साथ तोड़ मरोड़ या कुछ भी कहे पर अंततोगत्वा जो दिख रहा है या जो सर्वे रिपोर्टस में आ रहा है या जैसा देशवासी अनुभव कर रहे हैं उसे सिरे से नकारा नहीं जा सकता। अब इस यों भी समझा जा सकता है कि कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करने का निर्णय और दुनिया के देशों द्वारा उफ् भी नहीं करना अगले की कूटनीतिक क्षमता को सिद्ध करता है। पाकिस्तान और चीन को अलग थलग करना हो या फिर रुस यूक्रेन युद्ध या इजरायल हमास युद्ध कहीं भी नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति को लेकर किसी तरह का विवाद नहीं हुआ। विरोधी देशों के संकट के दौरान सहायता में सबसे आगे रहना, अरब देषों को भी भारत के पक्ष में बनाये रखना, अमेरिका और रुस दोनों को ही साधे रहना अपने आप में बड़ी बात है। कोरोना दौर में भारतीय वैक्सीन के माध्यम से दुनिया के देशों के मानव इतिहास के सबसे बड़े संकटकाल में सहभागी के रुप में आगे आना लोकप्रियता और विश्वसनीयता बनाए रखने की बड़ी सफलता है। अमेरिका में ओबामा फिर ट्रम्प और अब जो बाइडन काल में भी समान अधिकार के साथ संबंध बनाए रखना बड़ी बात है। पाकिस्तान को दुनिया के देशों से अलग थलग करना तो मोदी के लिए मामूली बात सिद्ध हुई है।

दरअसल आज के दौर में वैश्विक नेता के लिए बोल्ड होने, एग्रेसिव होने, कठोर व त्वरित निर्णय लेने वाले नेता लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं। अच्छे बुरे परिणाम की चिंता कर निर्णय की उहापोह में फंसे नेता आज के लोगों की पसंद हो ही नहीं सकते। इसका बड़ा कारण दुनिया में वैश्विक संकटों का दौर चलना है। संकटों के दौर में लोगों का यह

पंजाब के रामबाग गेट और प्राचीरों ने जीता यूनेस्को का पुरस्कार, केरल के भगवती मंदिर को भी मिला सम्मान

यूनेस्को बैंकाक ने एक बयान में कहा कि लोगों विरासत और रचनात्मकता को मूल में रखते हुए पंजाब में रामबाग गेट और प्राचीरों के शहरी पुनरुद्धार ने सर्वोच्च सम्मान अवार्ड आफ एक्सीलेंस प्राप्त किया है। तीन परियोजनाओं हांगकांग एसएआर (चीन) में फैनलिंग गोल्फ कोर्स यांगझोऊ (चीन) में डोंगगुआन गार्डन रेजीडेंस और केरल के कुन्नमंगलम भगवती मंदिर स्थित कर्णिकारा मंडपम ने अवार्ड आफ डिस्टिंक्शन प्राप्त किया।

नई दिल्ली। पंजाब में रामबाग गेट व प्राचीरों के शहरी पुनरुद्धार, हरियाणा का चर्च ऑफ एपिफेनी और दिल्ली के बीकानेर हाउस से संबंधित विरासत संरक्षण परियोजनाओं ने यूनेस्को पुरस्कार हासिल किए हैं। सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए इस वर्ष के यूनेस्को एशिया-प्रशांत पुरस्कार में चीन, भारत और नेपाल की 12 परियोजनाओं को अवार्ड ज्यूरी द्वारा स्वीकार किया गया।

यूनेस्को बैंकाक ने एक बयान में कहा कि लोगों, विरासत और रचनात्मकता को मूल में रखते हुए पंजाब में रामबाग गेट और प्राचीरों के शहरी पुनरुद्धार ने सर्वोच्च सम्मान 'अवार्ड आफ एक्सीलेंस' प्राप्त किया है।'' तीन परियोजनाओं हांगकांग एसएआर (चीन) में फैनलिंग गोल्फ कोर्स; यांगझोऊ (चीन) में डोंगगुआन गार्डन रेजीडेंस और केरल के कुन्नमंगलम भगवती मंदिर स्थित कर्णिकारा मंडपम ने 'अवार्ड आफ डिस्टिंक्शन' प्राप्त किया।

पांच परियोजनाओं को किया गया शामिल

पांच परियोजनाओं को 'अवार्ड ऑफ मेरिट' सौंपा गया, इनमें बीजिंग (चीन) स्थित पेकिंग विश्वविद्यालय में यान नान युआन; सूझोऊ (चीन) में पैन फैमिली रेजीडेंस; हरियाणा में चर्च आफ एपिफेनी; मुंबई में डेविड सैसून लाइब्रेरी व रीडिंग रूम और नई दिल्ली में बीकानेर हाउस शामिल हैं। केरल में कुन्नमंगलम भगवती मंदिर में कर्णिकारा मंडपम, पंजाब में पीपल हवेली और काठमांडू में सिकामी छेन को उनकी परिवर्तनकारी विरासत प्रथाओं के लिए 'स्पेशल रिकग्निशन फार सस्टेनेबल डेवलपमेंट' से सम्मानित किया गया।

केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ने जीता यूनेस्को का विशेष पुरस्कार

केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (केआइए) के टर्मिनल 2 को दुनिया के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट में एक माना गया है। इसे यूनेस्को के प्रिक्स वर्साय द्वारा 'इंटीरियर 2023 के लिए व?र्ल्ड स्पेशल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस प्रकार का सम्मान प्राप्त करने वाला यह एकमात्र भारतीय एयरपोर्ट है। केआइए का संचालन देखने वाली कंपनी बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरी मरार ने पुरस्कार मिलने पर कहा कि यह हमारे लिए गर्व का क्षण है।

देश-विदेश

हैदराबाद के राजेंद्र नगर में डायपर बनाने वाली फैक्ट्री में लगी भीषण आग

तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं

रंगा रेड्डी। तेलंगाना के रंगा रेड्डी के राजेंद्र नगर में एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं।

अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, आग रात करीब 8 बजे डायपर बनाने वाली फैक्टरी में लगी। सूचना पर आसपास के फायर स्टेशनों से तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

गुरुवार को दक्षिणी दिल्ली के आश्रम इलाके में गुरुवार को एक डीटीसी की बस में आग लग गई। बस के पिछले हिस्से में आग लगी थी। इस घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है। बताया गया कि दोपहर करीब दो बजे आग बुझा ली गई और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

लाल सागर में जहाजों का आवागमन बिगड़ा तो भारत की बढ़ी टेंशन, देश के तेल खरीद पर दिखेगा असर

नई दिल्ली। लाल सागर में स्थित बाब-अल-मनदब खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों का आवागमन अवरुद्ध होने पर भारत ने एक बार फिर गंभीर चिंता जताई है। एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाउती आतंकियों की तरफ से जहाजों पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता प्रकट की थी और अब विदेश मंत्रालय ने भी कहा है कि भारत का हित इस क्षेत्र से जुड़ा हुआ है एवं वह इससे चिंतित है।

मामले के समाधान के लिए भारत अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ ही खाड़ी क्षेत्र के अपने मित्र देशों जैसे सऊदी अरब, यूएई और अफ्रीका महाद्वीप के देश इथोपिया, मिस्त्र के भी संपर्क में है। विदेश मंत्रालय ने यह संकेत भी दिया है कि इस स्थिति से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक कार्यदल

गठित करने की तैयारी हो रही है और भारत इसका सदस्य बन सकता है।

भारत की चिंता की असली वजह

भारत की चिंता की असली वजह यह है कि देश का आयात-निर्यात काफी हद तक इसी रास्ते से होता है। बाब-अल-मनदब खाड़ी लाल सागर को अरब सागर से जोड़ती है। इससे होते हुए जहाज स्वेज नहर होकर यूरोपीय और अमेरिकी बाजारों तक जाते हैं। इसके प्रभावित होने से जहाजों को पूरे अफ्रीका महाद्वीप का चक्कर लगाकर जाना पड़ रहा है जिससे मालवाहन की लागत में खासी वृद्धि होने की सूचना है।

भारत की मुख्य चिंता सभी मित्र देशों के संपर्क में भारत

बहरहाल, भारतीय विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा है कि वह सभी मित्र देशों के संपर्क में है। खासकर सऊदी अरब, यूएई और इथियोपिया के साथ। इन तीनों देशों के साथ भारत ने समुद्री क्षेत्र में सहयोग का समझौता कर रखा है जिसके तहत साथ मिलकर अपने वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षा देने और निगरानी का काम हो सकता है। इस बाबत विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, 'इस क्षेत्र से भारत का हित जुड़ा हुआ है और हम हमेशा से वाणिज्यिक जहाजों के खुले तौर पर आवागमन की आजादी के पक्षधर रहे हैं। हम पूरी स्थिति पर नजर रखे हैं। वैश्विक स्तर पर जो कोशिशें हो रही हैं, भारत उसका भी हिस्सा है। कार्यदल के गठन को लेकर भी बात चल रही है। हम कोशिश कर रहे हैं कि इस क्षेत्र में जहाजों का आवागमन प्रभावित न हो।'

कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर

भारत की मुख्य चिंता कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत जितना कच्चा तेल खरीदता है उसका बहुत बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है। ऐसे में ज्यादा दिनों तक इसके प्रभावित होने से तेल खरीद की लागत बढ़ सकती है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुद्दे को मंगलवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ वार्ता में उठाया था।

संगठन को ईरान का समर्थन प्राप्त- इजरायल

हाउती यमन में सक्रिय आतंकी संगठन है जिसने हाल में बाब-अल-मनदब खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों पर हमले किए हैं। उसका कहना है कि वह इजरायल द्वारा गाजा पट्टी में हमलों का बदला लेने के लिए ऐसा कर रहा है। वहीं, इजरायल का आरोप है कि इस संगठन को ईरान का समर्थन प्राप्त है। कई अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ इसे ईरान और सऊदी अरब और यूएई के बीच पुरानी प्रतिस्पर्धा का असर भी बता रहे हैं।

सिंगापुर में कोरोना का कहर, एक हफ्ते में 965 नए मामले आने से मचा हड़कंप

सिंगापुर। सिंगापुर में केविड-19 के मामले में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। पिछले सप्ताह कोरोना के 763 नए मामले सामने आए थे। वहीं, अब मामले बढ़कर 965 हो चुके हैं।

आईसीयू में भर्ती मरीजों की संख्या बढ़ी

कोरोना की वजह से आईसीयू में भर्ती मरीजों की संख्या 23 से बढ़कर 32 हो गई। अधिकांश कोविड-19 JN.1 वेरिएंट के हैं। कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन सबवेरिएंट BA.2.86 का ही स्वरुप है। उत्तरी गोलार्ध में सर्दियों की स्थिति और अधिक लोगों द्वारा मास्क नहीं पहनने के कारण कोविड-19 मामलों में वृद्धि हुई है।

सिंगापुर में घरों के अंदर भी मास्क लगाना जरूरी

इस महीने 3 दिसंबर से 9 दिसंबर के बीच सिंगापुर में कोरोना के 56 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को यह हिदायत दी है कि लोग भीड़-भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचें। वहीं, लोगों को घर के अंदर भी मास्क लगाने की सलाह दी गई है।

फर्जी सिम लेने वालों की खैर नहीं, 138 साल पुराना कानून खत्म; जानें अब क्यों हो सकती है जेल?

नई दिल्ली। सरकार देश में फर्जी सिम कार्ड के जरिए ठगी और इसी तरह के अन्य अपराधों पर नकेल कसने जा रही है। देश में 138 साल पुराने टेलीग्राफ अधिनियम को निरस्त कर नया कानून बनाने के लिए लाए गए दूरसंचार विधेयक, 2023 को संसद ने गुरुवार को मंजूरी प्रदान कर दी। इस विधेयक में फर्जी सिम लेने पर तीन साल की जेल और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रविधान किया गया है। इस बिल पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद यह कानून बन जाएगा। विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत का दूरसंचार क्षेत्र बहुत कठिनाई वाले दौर में था लेकिन पिछले साढ़े नौ वर्षों में इसे वहां से बाहर लाया गया है। इस विधायक में उपभोक्ताओं को केंद्र में रखकर और उनके हितों को ध्यान में रखकर कानून में प्रविधान किए गए हैं। विधेयक के अनुसार, यदि कोई राष्ट्रीय सुरक्षा, दूसरे देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों के हित के खिलाफ किसी भी तरह से काम करता है और अवैध रूप से दूरसंचार उपकरणों का उपयोग करता है, तो उसे तीन साल तक की कैद की सजा सुनाई जा सकती है या दो करोड़ रुपये तक का जुर्माना लग सकता है। विधेयक में कहा गया है कि यदि केंद्र सरकार उचित समझती है तो ऐसे व्यक्ति की दूरसंचार सेवा निलंबित या समाप्त भी कर सकती है।

नौसेना ने अदन की खाड़ी में दूसरा मिसाइल विध्वंसक किया तैनात

नई दिल्ली। समुद्री डाकुओं द्वारा माल्टा ध्वज वाले मालवाहक जहाज के अपहरण के बाद भारतीय नौसेना ने अपने समुद्री डकैती रोधी मिशन को बढ़ाने के लिए अदन की खाड़ी में दूसरा पोत तैनात किया है। अधिकारियों ने कहा कि नौसेना के पास अब इस क्षेत्र में गाइडेड मिसाइल विध्वंसक पोत आइएनएस कोच्चि और आइएनएस कोलकाता हैं। 14 दिसंबर को माल्टा ध्वज वाले अपहृत जहाज एमवी रुएन से मदद के लिए कॉल मिलने के बाद नौसेना ने तुरंत प्रतिक्रिया दी थी। नौसेना के युद्धपोत आइएनएस कोच्ची ने अरब सागर में समुद्री लुटेरों द्वारा हाईजैक किए गए जहाज को रेस्क्यू किया गया था। माल्टा के इस जहाज में चालक दल के 18 सदस्य सवार थे, जिसमें से एक को समुद्री लुटेरों की ओर से की गई फायरिंग में गोली लग गई थी। भारतीय नौसेना इस घायल सदस्य को विशेष इलाज के लिए ओमान के एक पोर्ट ले गए हैं।

एनसीबी ने ड्रग तस्करी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का किया भंडाफोड़

मुंबई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने ड्रग्स की भारत से आस्ट्रेलिया तस्करी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से तीन करोड़ रुपये कीमत की एम्फैटेमिन और अन्य ड्रग्स जब्त की हैं। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एनसीबी की टीम एक कूरियर कंपनी में पहुंची और एक मेज पर रखे एक पार्सल को देखा। उन्होंने बताया कि मेज की जांच करते समय विशेष रूप से बनाए गए दराज के अंदर ड्रग के पैकेट पाए गए। इन पैकेट में सफेद पाउडर था, जिसका वजन 9.877 किलोग्राम था और यह एम्फैटेमिन था। हमने जोलपिडेम टार्टेरेट की 2.548 किलोग्राम गोलियां और ट्रामाडोल की 6.545 किलोग्राम गोलियां भी जब्त की हैं। इस सब की कीमत तीन करोड़ रुपये है। जांच के दौरान बुधवार को वी सिंह नामक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई और उससे पूछताछ के आधार पर मुंबई से उसके सहयोगियों जी मिश्रा और पी शर्मा को पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि अवैध ड्रग्स की एक बड़ी खेप उनके परिसरों से जब्त की गई।

साउथ से बढ़ रही है बॉलीवुड की नजदीकियां, 2023 में इन फिल्मों और डायरेक्टर्स ने किया हिंदी का रुख

नई दिल्ली। साल 2023 में साउथ और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के बीच नजदीकियां काफी बढ़ी। कई हिंदी फिल्में साउथ लैंग्वेज में रिलीज हुई। वहीं, दक्षिण की फिल्मों ने डब के साथ हिंदी बेल्ट में कदम रखा। साल 2023 में साउथ के कुछ बड़े डायरेक्टर्स ने बॉलीवुड एक्टर्स से हाथ मिलाया और ब्लॉकबस्टर फिल्में दी।

साउथ डायरेक्टर्स और बॉलीवुड एक्टर्स

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम एटली कुमार का आता है, जो साउथ के जाने-माने डायरेक्टर हैं। एटली एक्शन फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने इस साल शाह रुख खान के साथ मिलकर फिल्म जवान बनाई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग डे के साथ ही रिकॉर्ड तोड़ने शुरू कर दिया। जवान के नाम कई साल 2023 में कई रिकॉर्ड्स हैं।

संदीप रेड्डी वांगा- रणबीर कपूर

लिस्ट में दूसरा नाम संदीप रेड्डी वांगा और रणबीर कपूर का है। दोनों की एनिमल अभी भी थिएटर्स में छाई हुई है। संदीप रेड्डी ने इससे पहले शाहिद कपूर के साथ फिल्म कबीर सिंह बनाई थी और इस फिल्म ने भी हिंदी बेल्ट में खूब बिजनेस किया था।

ओम राउत- प्रभास

बाहुबली के बाद से प्रभास पैन इंडिया स्टार बन चुके है। हर बड़ा डायरेक्टर उनके साथ काम करना चाहता है। तान्हाजी फेम ओम राउत साल 2023 में उनके साथ मिलकर फिल्म आदिपुरुष लेकर आए। हालांकि, फिल्म ने बिजनेस से ज्यादा विवाद को बढ़ाया।

साउथ की रीमेक

बॉलीवुड लंबे समय से साउथ की फिल्मों का रीमेक बनाता आया है। साल 2023 में भी कई साउथ की रीमेक रिलीज हुई। इनमें सेल्फी, किसी का भाई किसी की जान और शहजादा का नाम शामिल है। हालांकि, ये तीनों फिल्में बिजनेस के मामले कुछ खास नहीं कर पाई।

हिंदी फिल्में साउथ में हुई रिलीज

पिछले काफी समय से हिंदी फिल्मों की डबिंग का सिलसिला बढ़ा है। इस साल पहली बार शाह रुख खान ने अपनी फिल्मों (जवान, पठान) को हिंदी के अलावा तमिल, और तेलुगु में रिलीज किया। इस लिस्ट में सलमान खान का नाम भी शामिल है। पहली बार एक्टर ने टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त टाइगर 3 को साउथ लैंग्वेज में रिलीज किया।

साउथ की फिल्में हिंदी में हुई रिलीज

बॉलीवुड की तरह साउथ की भी कई फिल्में हिंदी में रिलीज हुई, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई भी की। रजनीकांत की जेलर और थलापति विजय की लियो और वारिसु इस साल हिंदी भाषा में भी रिलीज हुई है, दोनों ही फिल्मों को हिंदी बेल्ट में काफी पसंद किया गया। इस लिस्ट में लेटेस्ट एंट्री प्रशांत नील और प्रभास की सालार है।

ओपनिंग डे पर 'डंकी' की ठोस शुरुआत, क्या जवान-पठान से आगे निकली फिल्म?

नई दिल्ली। 'पठान और जवान' जैसी धमाकेदार फिल्में देने के बाद अब शाह रुख खान फैंस के लिए 'डंकी' लेकर आए हैं। इस फिल्म का फैंस बड़ी ही लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। ऐसे में फैंस को एंटरटेन करने के लिए 'डंकी' आज से सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।

इस मूवी को लेकर हर किसी में जबरदस्त रेज देखने को मिल रहा है। इस बीच 'डंकी' के ओपनिंग डे के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लेटेस्ट आंकड़े सामने आ गए हैं।

रिलीज के पहले दिन 'डंकी' ने खोला इतने करोड़ से खाता

'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस और संजू' जैसी शानदार फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर राजकुमार हिरानी अब 'डंकी' के जरिए फैंस के दिलों पर राज करने आए हैं। शाह रुख खान स्टारर 'डंकी' 5 दोस्तों की अनोखी कहानी है, जो आपको हंसाएंगी भी, रुलाएगी और एंटरटेन भी करेगी।

'डंकी' की शानदार एडवांस बुकिंग को मद्देनजर रखते हुए ये अंदाजा पहले ही लगाया जा रहा था कि 'डंकी' रिलीज के पहले दिन ताबडतोड़ कलेक्शन करेगी। इस बीच सैकनिल्क के अनुमानित आंकड़ो के अनुसार 'डंकी' के ओपनिंग डे के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के आंकड़े सामने आ गए हैं। जिनके हिसाब से शाह रुख की 'डंकी' ने पहले दिन 30 करोड़ का कारोबार कर सकती है। हालांकि फिल्म की कमाई के वास्तविक आंकड़े अभी आना बाकी हैं। लेकिन ये साफ कहा जा सकता है कि ओपनिंग डे पर 'डंकी' को बेहतरीन शुरुआत मिली है।

'डंकी' को मिले ऐसे रिव्यू

शाह रुख खान की 'डंकी' को रि टिक्स और ऑडियंस की तरफ से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है। कई क्रिटिक्स इस फिल्म को पॉजिटिव रिस्पॉन्स दे रहे हैं, तो अन्य कई इसे एक औसत मूवी करार कर रहे हैं। हालांकि 'डंकी' कितनी गजब की फिल्म है, वो तो आने वाले वीकेंड बताएगा।

क्योंकि ओपनिंग वीकेंड पर 'डंकी' का ताबड़तोड़ कलेक्शन ही इस मूवी का भविष्य तय करेगा। हालांकि 'पठान और जवान' के ओपनिंग डे कलेक्शन के रिकॉर्ड तो डंकी तोड़ने में नाकाम रही है।

शाह रुख खान की पिछली तीन फिल्मों की ओपनिंग

फिल्म	ओपनिंग डे कलेक्शन
पठान	57 करोड़
जवान	75 करोड़
डंकी	30 करोड़*

रिलीज से पहले सामने आया 'सालार' का बीटीएस वीडियो

नई दिल्ली। 'केजीएफ' डायरेक्टर प्रशांत नील के डायरेक्शन में बनी मूवी 'सालार' की रिलीज के लिए हर कोई बकरार है। प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमार स्टारर मूवी को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। इस बीच 'सालार पार्ट-1 सीजफायर' की रिलीज से पहले इस फिल्म का एक बीटीएस वीडियो सामने आया है, जिसमें फिल्म की स्टार कास्ट सेट में मौज-मस्ती करती दिख रही है। फिल्म 'सालार' को लेकर इस समय सुर्खियों का बाजार काफी गर्म है। इस फिल्म से जुड़े हर एक अपडेट को जानने के लिए हर कोई काफी एक्साइटेड नजर आ रहा है। ऐसे में 'सालार' के बीटीस वीडियो के बारे में चर्चा की जानी बनती है। इस बीच 'सालार' के एक्टर पृथ्वीराज सुकुमार की पत्नी सुप्रिया मेनन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर 'सालार' का एक बीटीएस वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि प्रभास और पृथ्वीराज एक साथ सेट पर हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं। इतना ही फिल्म की अन्य स्टार कास्ट ने कैसे सालार की शूटिंग को एन्जॉय किया है।

एनिमल डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा पर भड़कीं गजल धालीवाल, बोलीं- ''स्क्रीनराइटर को नहीं दिया क्रेडिट''

फिल्म एनिमल के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा का नाम इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। संदीप रेड्डी वांगा के इस फिल्म की सफलता का शोर हर तरफ मचा हुआ है। इस बीच फिल्म मशहूर स्क्रीन राइटर गजल धालीवाल ने संदीप को खरी खोटी सुनाई है। जिसकी वजह है अन्य राइटर को स्क्रीनराइटिंग का क्रेडिट नहीं दिया जाना।

नई दिल्ली। रणबीर कपूर स्टारर मूवी 'एनिमल' ने पूरी दुनिया में धमाकेदार कमाई कर हर किसी को प्रभावित किया है। डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस मूवी को दर्शकों की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है।

इस बीच मशहूर स्क्रीन राइटर गजल धालीवाल ने फिल्म के लिए को-स्क्रीन राइटर को क्रेडिट न मिलने को लेकर नाराजगी जताई है। इस मामले को लेकर गलज ने संदीप पर निशाना साधा है।

'एनिमल' डायरेक्टर पर बरसीं गजल

फिल्म 'एनिमल' की सफलता का ज्यादातर श्रेय डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा को जा रहा है। इस मूवी में क्रेडिट रोल के दौरान भी फिल्म के डायरेक्टर, राइटर और एडिटर के तौर पर स्क्रीन पर संदीप का नाम ही

सामने आता है। इस मामले को लेकर अब नेटफ्लिक्स के 'मिसमैच्ड शो' की स्क्रीन राइटर गजल धालीवाल ने एनिमल डायरेक्टर को टारगेट किया है।

इस दौरान गजल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लेटेस्ट पोस्ट शेयर किया है। इस दौरान उन्होंने लिखा है- ''एनिमल पार्टी को ज्वाइन करने के लिए माफी चाहूंगी, लेकिन फिल्म के एल्फा मैन की थ्योरी इस मामले में भी नजर आती है, जब फिल्म के डायरेक्टर एडिटर, लेखक और डायरेक्शन का क्रेडिट खुद को दे रहे हैं।

इस फिल्म के लिए अन्य को-राइटर प्रणय रेड्डी वांगा, सुरेश बंडारू, सौरभ गुप्ता को क्रेडिट के मामले में किनारे कर दिया गया है। जिन्होंने मूवी की पटकथा और संवाद लिखने में अहम योगदान दिया है। हमारी दुनिया में ऐसा ही होता है, जहां शीर्ष क्रेडिट के मामले में हम जैसे स्क्रीनराइटर पीछे अन्य साथी पीछे छोड़ जाते हैं।'' इस तरह की तमाम बातों के जरिए गजल धालीवाल ने संदीप रेड्डी वांगा को टारगेट किया है।

इस वजह से 'एनिमल' को लेकर भी हुआ विवाद

गजल धालीवाल से पहले फिल्म 'एनिमल' को लेकर कई विवाद सामने आ चुके हैं। फिल्म में अभिनेता रणबीर कपूर के हिंसक किरदार को लेकर काफी बवाल मचा है। इस मामले को को लेकर संसद में आवाज उठाई गई और फिल्म को समाज के लिए एक बीमारी करार दिया गया। हालांकि इन सब के अलावा 'एनिमल' ने 528 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर धमाल मचाया है।

आप भी जीना चाहते हैं लंबा और स्वस्थ जीवन, तो हेल्दी लाइफ के लिए अपनाएं ये जरूरी आदतें

हर कोई हेल्दी लाइफ जीना चाहता है। लोग अक्सर सेहतमंद रहने के लिए कई उपाय करते हैं। हेल्दी डाइट से लेकर फिजिकल एक्टिविटी तक लोग खुद को फिट बहुत कुछ करते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जो एक लंबा और स्वस्थ जीवन जीना चाहते हैं तो आज हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी आदतों के बारे में जो आपको हेल्दी लाइफ जीने में मदद करेंगी।

शायद ही कोई ऐसा हो, जो स्वस्थ और खुशहाल जीवन नहीं जीना चाहता। अगर कोई लंबा और निरोगी जीवन जीना चाहता है, तो उसे अपने और अपनी सेहत के लिए कुछ समय निकलना ही पड़ेगा। सेहतमंद रहने के लिए सिर्फ हेल्दी खाना ही जरूरी नहीं है, बल्कि हेल्दी लाइफ जीना भी जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ अच्छी आदतों को अपनाना पड़ेगा, जो आपको हेल्दी रखने में मदद कर सकती हैं।

अगर आप भी एक बेहतर और स्वस्थ व्यक्तित्व के साथ लंबा जीवन जीना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको अपने जीवन में कुछ जरूरी टिप्स को हमेशा के लिए अपनाना होगा। आइए जानते हैं लंबी और स्वस्थ जिंदगी के लिए कुछ जरुरी आदतें-

फिजिकल एक्टिविटी

एक हेल्दी लाइफ के आदतों में सबसे जरूरी चीज योग, ध्यान और व्यायाम है, क्योंकि बिना इसे किए आप अपने को स्वस्थ रखने में असमर्थ रहेंगे। इसलिए सबसे पहले आप सुबह उठकर योग, एक्सरसाइज, वॉकिंग, जॉगिंग जरूर करें। बढ़ती उम्र के साथ बीमारियों से छुटकारा पाने के लिए ये सबसे जरूरी आदत है।

हेल्दी डाइट

दूसरी जरूरी आदत है कि आप अपने लिए एक हेल्दी डाइट प्लान तैयार करें, जिनमें दिनभर में कम से कम पांच सब्जियों का सेवन जरूर करें। अधिक सब्जियों के सेवन से पाचन प्रणाली एकदम स्वस्थ रहती है। अगर पाचन प्रणाली स्वस्थ रहेगी तो पूरा शरीर स्वस्थ रहेगा।

हाइड्रेटड रहें

इसके बाद खुद को हमेशा हाइड्रेटड रखें। सेहतमंह रहने के लिए शरीर में पर्याप्त पानी होना बेहद जरूरी है। इसलिए दिनभर में कम से कम सात से आठ गिलास पानी जरूर पिएं।

पर्याप्त नींद

इन दिनों लोगों का स्लीप पैर्टन पूरी तरह खराब हो चुका है। ऐसे में हेल्दी रहने के लिए कोशिश करें कि रात में आठ घंटे की पर्याप्त नींद जरूर लें।

वजन कंट्रोल रखें

बढ़ता वजन या मोटापा कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की वजह बन सकता है। ऐसे में कोशिश करें कि सेहतमंद बने रहने के लिए अपने वजन को अपनी हाइट के हिसाब से बनाए रखें।

शराब- तम्बाकू से परहेज

शराब, तम्बाकू जैसे नशीली चीजें सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए हेल्दी लाइफ के लिए ऐसी चीजों से दूर रहें।

घर का बना खाना खाएं

इन दिनों लोगों की लाइफस्टाइल तेजी से बदल रही है, जिसकी वजह से बाहर खाना उनकी डाइट का हिस्सा बनता जा रहा है। ऐसे में कोशिश करें कि जितना हो सके घर का बना खाना ही खाएं।

हेल्दी स्नैकिंग

दिनभर में लगने वाली हल्की भूख को शांत करने के लिए हमेशा हेल्दी स्नैक्स ही खाएं। आप इसके लिए ड्राई फ्रूट्स,दूध, अंडा,पनीर आदि से बनी चीजों को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

ओरल हाइजीन का ध्यान रखें

कई बीमारियों का बड़ा कारण ओरल हाइजीन की कमी होता है। इसलिए अपने दांतों की अनदेखी भी बिल्कुल न करें। समय समय पर किसी डेंटिस्ट से इनकी चेकअप जरूर कराएं।

रात को नींद न आने की समस्या से हैं परेशान

रात को सोते समय आपकी बॉडी हील होती है और रिलैक्स करती है ताकि अगले दिन बेहतर तरीके से काम कर सके। लेकिन नींद पूरी न होने की वजह से थकावट और तनाव कम नहीं हो पाता और हमारी सेहत बिगड़ सकती है। अच्छी नींद लेने में कुछ फूड आइटम्स आपकी मदद कर सकते हैं। जानें किन फूड्स की मदद से अच्छी नींद आ सकती है।

रात की नींद आपकी सेहत के लिए काफी महत्वपूर्ण होती है। इस समय आपकी बॉडी रिलैक्स करती है, लेकिन कई बार हम बेहतर तरीके से सो नहीं पाते, जो हमारी सेहत के लिए काफी नुकसानदेह हो सकता है। नींद पूरी न होने की कई वजहें हो सकती हैं, जैसे- तनाव, कोई बीमारी या खराब लाइफस्टाइल। इन वजहों से नींद न आने की समस्या हो सकती है। नींद की कमी हमारी शारीरिक ही नहीं, बल्कि मेंटल हेल्थ के लिए भी हानिकारक होती है। इसलिए जरूरी है कि हम रोज 7-8 घंटे की नींद लें। बेहतर नींद लेने में कुछ फूड आइटम्स आपकी मदद कर सकते हैं। जानें किन फूड आइटम्स को खाने से बेहतर नींद लेने में मदद मिल सकती है।

तो ये फूड आइटम्स हो सकते हैं मददगार

बादाम

बादाम आपको अच्छी गुड नाइट स्लीप लेने में मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि बादाम मेलाटोनिन का बेहतर स्त्रोत है, जो नींद को रेगुलेट करता है। इसके अलावा, इसमें मैग्नीशियम भी पाया जाता है, जिससे नींद न आने की समस्या को कम किया जा सकता है। साथ ही, बादाम कई खतरनाक बीमारियों से बचाव में भी मदद करता है। इसलिए बादाम खाना फायदेमंद हो सकता है।

कीवी

किवी एंटी-ऑक्सिडेंट्स से भरपूर होता है, जो हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें कई ऐसे तत्व भी पाए जाते हैं, जो बेहतर नींद लेने में मदद कर सकते हैं। इसमें मौजूद सेरोटोनिन अच्छी नींद लेने में मदद कर सकते हैं। इसलिए सोने से पहले किवी खाना आपकी मदद कर सकता है।

अखरोट

अखरोट खाना आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसे खाने से आपकी सेहत से जुड़े कई फायदे हो सकते हैं, जिनमें से एक अच्छी नींद भी है। इसमें मेलाटोनिन की काफी अच्छी मात्रा पाई जाती है, जिस वजह से अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है।

केमोमाइल टी

केमोमाइल टी को काफी समय से अच्छी नींद के लिए इस्तेमाल में लाया जाता रहा है। इसमें एक ऐसा तत्व पाया जाता है, जिसकी वजह से नींद आसानी से आ जाती है। केमोमाइल टी पीने से आप बेहतर और भरपूर नींद ले पाते हैं।

केला

केले में मैग्नीशियम प्रचूर मात्रा में पाया जाता है, जो बेहतर नींद लेने में मददगार हो सकता है। इसके अलावा, इसमें ट्रिप्टोफैन भी पाया जाता है, जो नींद की क्वालिटी को बेहतर बनाता है। इसलिए केला खाना आपकी गुड नाइट स्लीप के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है।

नए साल में बनाना चाहते हैं मेंटल हेल्थ को बेहतर, तो ये न्यू इयर रेजोल्यूशन हो सकते हैं मददगार

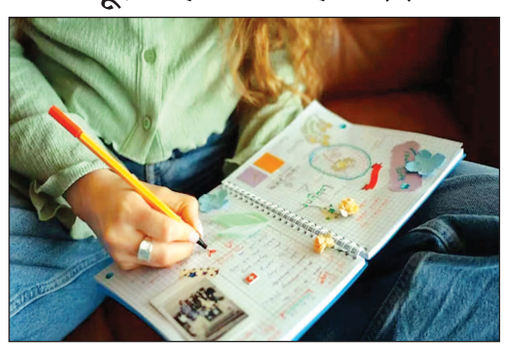

हर साल, साल के अंत में हम न्यू इयर के लिए कुछ रेजोल्यूशन यानी संकल्प लेते हैं। ये रेजोल्यूशन अलग-अलग चीजों के लिए लिया जा सकता है, जैसे- फिटनेस, ब्यूटी, खाना, वजन, रिलेशनशिप आदि। हालांकि, जब हम रेजोल्यूशन लेते हैं, तब अक्सर हम अपनी मेंटल हेल्थ को अनदेखा कर देते हैं। हम अक्सर अपने काम में इतने व्यस्त रहते हैं कि अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल रखना भूल जाते हैं। हमारी लाइफस्टाइल की वजह से हमारी मेंटल हेल्थ काफी प्रभावित होती है, लेकिन हम आमतौर पर इस पर तब तक ध्यान नहीं देते, जब तक कोई बड़ी परेशानी हमारे सामने न आ जाए। इसलिए मेंटल हेल्थ का ख्याल रखना काफी जरूरी है। इस साल हम आपके लिए कुछ ऐसे न्यू इयर रेजोल्यूशन के आइडिया लाए हैं, जो आपकी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

नेगेटिव लोगों से दूरी

आपकी मेंटल हेल्थ को आपके आस-पास रहने वाले लोग प्रभावित करते हैं। अगर आपके दोस्त, रिश्तेदार या आपके सहकर्मी आपके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते या उनका व्यवहार टॉक्सिक है, तो उनसे दूरी बनाने में ही फायदा है। ऐसे लोगों की वजह से आपका स्ट्रेस बढ़ता है और आपकी लाइफ में काफी नेगेटिविटी भी आती है। इसलिए इस साल इस तरह के लोगों से दूरी बनाने का रेजोल्यूशन लें।

मांइडफुलनेस

मांइडफुल होना ऐसी स्थिति को कहते हैं, जब व्यक्ति पूरी तरह से अपने वर्तमान में मौजूद होता है। वह अपने बीते हुए कल और आने वाले कल के बारे में चिंता न कर, अपने आज पर ध्यान देता है। मांइडफुलनेस की प्रैक्टिस करने से आपको तनाव और एंग्जायटी से राहत मिलती है। इसलिए इसे आप अपने न्यू इयर का रेजोल्यूशन मान सकते हैं।

नींद को प्राथमिकता दें

नींद की कमी की वजह से आपकी मेंटल हेल्थ काफी प्रभावित होती है। नींद पूरी न होने की वजह से स्ट्रेस और एंग्जायटी बढ़ती है, जो मेंटल हेल्थ के लिए हानिकारक होते हैं। इसलिए अपनी नींद पूरी करना अपनी रेजोल्यूशन में शामिल करना आपकी मेंटल हेल्थ के लिए

उर्स झंडारोहण से पहले हो जाये सभी व्यवस्थाएं - केआर मीना

अजमेर. केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव के आर मीना ने सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के सालाना उर्स की व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठक लेते हुए पर्याप्त इंतजाम रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। पानी, बिजली, पुलिस, निगम और एडीए की सभी व्यवस्थाएं उर्स के झंडारोहण से पहले हो जाए। मीना ने शनिवार को अजमेर के सर्किट हाउस में उर्स से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

साथ ही दरगाह और क़ायड विश्राम स्थली का भी निरीक्षण किया। बैठक में संभागीय आयुक्त सी आर मीना भी उपस्थित रहे। अजमेर कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित एवं एसपी चुनाराम जाट ने उस उर्स से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उर्स से संबंधित सभी विभागों को दायित्व सौंप दिए गए हैं। नगर निगम दरगाह क्षेत्र में बेरिकेटिंग, लावारिस पशुओं की दर पकड़, सफाई एवं पेच वर्क आदि कार्य करवाइए। इसके लिए दुकानों की सीमा निर्धारण के लिए लाइनिंग की जा रहीहै कलेक्टर ने नगर निगम को निर्देश दी हैं कि इसके लिए वॉलिंटियर्स को भी ट्रेनिंग दी जाए रेलवे विशेष ट्रेन चलाई जाएगी। रोडवेज द्वारा अतिरिक्त बसें लगाई जाएगी।

सरस डेयरी ने की घी के भावों में कमी, 1 लीटर पर घटाए 25 रुपए

अजमेर. सरस डेयरी ने उपभोक्ताओं के लिए सरस घी के भावों में भारी कमी करते हुए राहत प्रदान की है। गत दिनों 15 किग्रा के टिन में 35 रुपए प्रति किलो, 5 लीटर पीपी में 25 रुपए प्रति लीटर एवं 1 लीटर पैक में 25 रु. प्रति लीटर और लीटर पैक में 25 रुपए प्रति लीटर की कमी की गई है। अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने बताया कि आगामी 15 जनवरी को मकर सक्र ांति से 2 माह तक बंपर सावों के मद्देनजर घी के भावों में कमी की गई है। समस्त उपभोक्ताओं से अपील है कि अपनी आवश्यकताओं को देखते हुए अजमेर डेयरी से घी शीघ्र खरीद लें। जो उपभोक्ता 10 टिन से ज्यादा खरीदेगा उसे अजमेर डेयरी मुख्यालय पर उपलब्ध करवाया जाएगा।

एमडीएस यूनिवर्सिटी द्वारा मेन एग्जाम फॉर्म भरने की डेट 29 दिसम्बर बढ़ाई

अजमेर. महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षा 2024 के आवेदन फार्म भरने की डेट बढ़ाकर स्टूडेंट्स को राहत दी गई है। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व स्नातक द्वितीय-तृतीय एग्जाम के आवेदन फार्म 100 रुपए विलम्ब शुल्क के साथ अब 29 दिसम्बर तक भरे जा सकेंगे। वहीं स्नातक प्रथम वर्ष नियमित विद्यार्थियों के लिए सेमेस्टर स्कीम से आवेदन फार्म भरने की बिना लेट फीस डेट 29 दिसम्बर कर दी गई है।

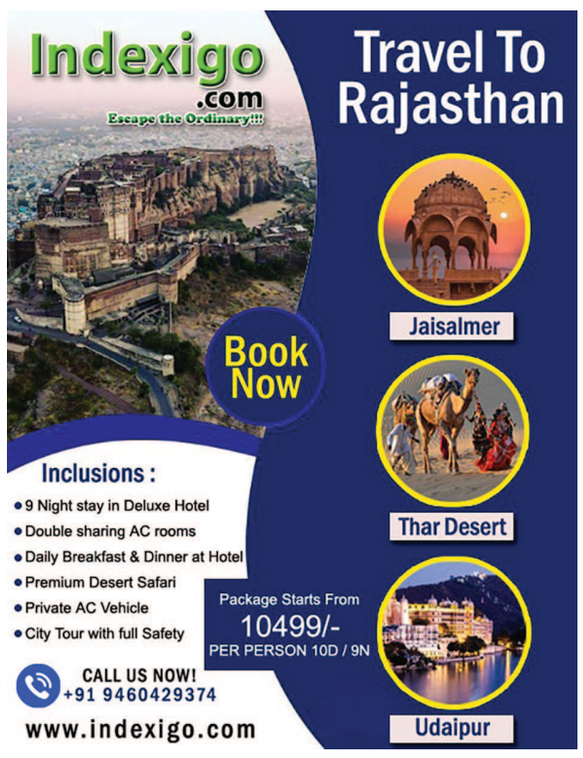

एप से करवा सकते हैं आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य में रजिस्ट्रेशन

अजमेर। केन्द्र सरकार की आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में अजमेर जिले के 10.12 लाख पात्रा परिवारों को आयुष्मान हेल्थ कवर की शानदार सौगात मिलेगी। गरीब एवं कमजोर वर्ग के व्यक्तियों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा आयुष्मान भारत योजना (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) संचालित की जा रही है। वर्तमान में यह योजना के अन्तर्गत विभाग द्वारा बंदित पारियों को योजना से जोड़ने के लिये बहुत ही तेजी से कार्य किया जा रहा है। चिकित्सा विभाग के अनुसार केन्द्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में अजमेर जिले को 10.12 लाख व्यक्तियों का लक्ष्य आवंटन किया गया था। इसमें से अब तक पुनर्गठित अजमेर जिले में अभी एक 54 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित की जा चुकी है।

फ़तेह एक्सप्रेस
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करे
Call / Whatsapp 9214839374

बिजली कनेक्शन के लिए अब स्टाम्प पेपर जरुरी नहीं

अजमेर. अजमेर डिस्कॉम की ओर से उपभोक्ताओं, आवेदकों के लिए नए बिजली कनेक्शन की प्रक्रि या में ऑनलाइन रिकवेस्ट वेब सेल्फ सर्विस पोर्टल पर भी दर्ज़ करने की सुविधा शुरू की गयी है। इस सुविधा से नए कनेक्शन के लिए कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। आवेदन प्रपत्र के साथ स्टेम पेपर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। सेंट्रलाइज्ड कॉल सेण्टर पर नए घरेलु कनेक्शन के लिए टोल फ्री नंबर- 1800806565 का सचालन किया जा रहा है। कृषि उपभोक्ता जले हुए, ख़राब ट्रांसफार्मरों को बदलने की रिकवेस्ट भी कस्टमर केयर सेण्टर पर दर्ज़ करा सकते है।

स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक मुबारक खान के लिए डीबी कॉर्प लिमिटेड, माकड़वाली रोड़, अजमेर से मुद्रित एवं कार्यालय : 409 / 33 , अँधेरी पूल, पाल बीचला, पटेल नगर, अजमेर से प्रकाशित।
संपादक एवं प्रकाशक # मुबारक खान मोबाइल 92148 39374 RNI Tiltle Code : RAJBIL27060 Website :www.fatehexpress.in.com समस्त विवादों के लिए न्याय क्षेत्र अजमेर होगा।